



Name: Sample, DOB: 18:10:2005

TOB: 01:45:00, PLACE: Ballia ()

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वत्रूतिभिः सीद सादनम् ॥

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काशपेयं महाद्युतिम् । तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदारणवसम्भवम् । नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ॥
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् । कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् । सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम् । बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् । सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् । सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् । रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः ।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति ।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम् ।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ॥
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ॥

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूँ। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरूप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूँ। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूँ। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूँ। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूँ। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूँ। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूँ। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूँ। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूँ। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्री-पुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

ज्योतिषीय विवरण

मुख्य विवरण

जन्म वार	१८:१०:२००५ (मंगलवार)
जन्म वेळ	०१:४५:००
जन्म स्थळ	Ballia
अक्षांश	०२५:४५:००N
रेखांश:	०८४:१०:००E
वेळ संस्कार	-००:००
जी.एम.टी. वेळ	०२०:१५:००
स्थानिक वेळ	००१:५१:४० hrs
सांपातिक काल	०२७:३७:२२ hrs
स्थानिक वेळ संस्कार	०००:०६:४०
अयनांश	N.C.Lahiri (०२३:५६:१६)
सूर्योदय	०५:५६:३४AM
सूर्यास्त	०५:२०:३८PM
विक्रम संवत-	२०६२
शक संवत-	१९२७
संवत्सर	पार्थिव
संवत्सर स्वामी	अग्नी

घात चक्र

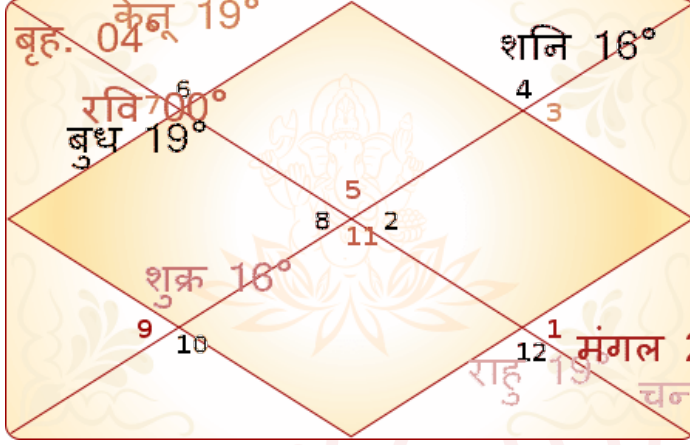
राशी	मेष
मास	कार्तिक
तिथी	१, ६, ११
वार	रविवार
नक्षत्र	मघा
प्रहर	१
लब्ध	मेष
सूर्य सिद्धांत योग	विष्कुंभ
करण	बव

अवकहडा चक्र

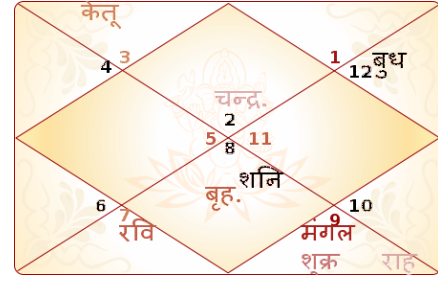
लब्ध	सिंह
लब्धस्वामी	रवि
चंद्रराशी	मेष
राशीस्वामी	मंगळ
नक्षत्र	अश्विनी
नक्षत्रस्वामी	केतु
नक्षत्र चरण	२
ऋतु	शरद
मास	कार्तिक
पक्ष	कृष्ण
तिथी	प्रतिपदा
तिथी प्रकार	नन्दा
तिथी स्वामी	रवि
करण	बालव
करण प्रकार	चर
करण स्वामी	ब्रह्मा
गण	देव
योनि	अश्व(पु)
वर्ण	क्षत्रिय
सूर्य सिद्धांत योग	हर्षण
रज्जु	पाद
वश्य	चतुष्पाद
तत्त्व	पृथ्वी
तत्त्वस्वामी	भारंधक
विहग	बुध
नाडी	आद्य
नाडी पाद	मध्य
वेध	ज्येष्ठा
नामाक्षर	Chay
पाया	चांदी

ग्रह स्थिती

लब्ध (जन्म) कुंडली



नवमांश कुंडली



चंद्र कुंडली



ग्रह स्थिती

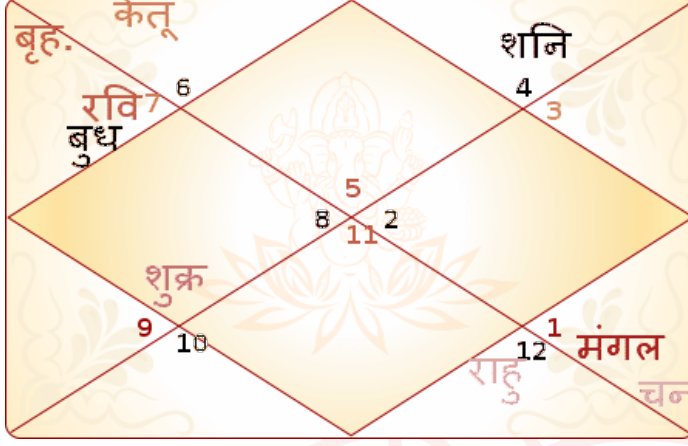
ग्रह	राशी	अंश	गति	रा. स्वामी	नक्षत्र	चरण	न.न.	न.स्वामी	नवांश	नव. स्वामी	विशेष
लब्ध	सिंह	04:11:09	---	रवि	मघा	2	10	केतु	वृषभ	शुक्र	
रवि	तुला	00:37:09	00:59:32	शुक्र	चित्रा	3	14	मंगल	तुला	शुक्र	नीच
चंद्र	मेष	05:00:01	14:03:07	मंगल	अश्विनी	2	1	केतु	वृषभ	शुक्र	समग्रही
मंगल (व)	मेष	27:34:06	00:13:41	मंगल	कृत्तिका	1	3	रवि	धनु	गुरु	स्वग्रही
बुध	तुला	19:34:33	01:25:19	शुक्र	स्वाती	4	15	राहु	मीन	गुरु	मित्रग्रही
गुरु (उ)	तुला	04:15:42	00:13:02	शुक्र	चित्रा	4	14	मंगल	वृश्चिक	मंगल	शत्रुग्रही
शुक्र	वृश्चिक	16:48:50	01:04:50	मंगल	ज्येष्ठा	1	18	बुध	धनु	गुरु	समग्रही
शनि	कर्क	16:13:34	00:03:45	चंद्र	पुष्य	4	8	शनि	वृश्चिक	मंगल	स्वनक्षत्री
राहु (व)	मीन	19:02:17	00:03:10	गुरु	रेवती	1	27	बुध	धनु	गुरु	समग्रही
केतु (व)	कन्या	19:02:17	00:03:10	बुध	हस्त	3	13	चंद्र	मिथुन	बुध	समग्रही
इंद्र (व)	कुंभ	13:15:10	00:01:22	शनि	शततारका	2	24	राहु	मकर	शनि	---
वरुण (व)	मकर	20:54:11	00:00:18	शनि	श्रवण	4	22	चंद्र	कर्क	चंद्र	---
रुद्र	वृश्चिक	28:25:56	00:01:23	मंगल	ज्येष्ठा	4	18	बुध	मीन	गुरु	---

ग्रहापासून ग्रह आणि ग्रहापासून लब्धाचे अंतर

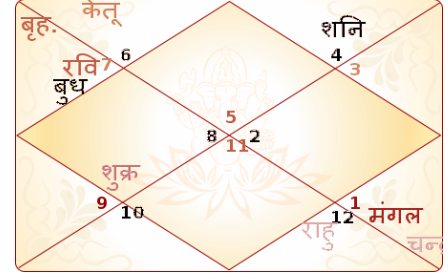
	लब्ध	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इंद्र	वरुण	रुद्र
लब्ध	--	56	241	263	75	60	103	342	225	45	189	167	114
रवि	304	--	184	207	19	4	46	286	168	348	133	110	58
चंद्र	119	176	--	23	195	179	222	101	344	164	308	286	233
मंगल	97	153	337	--	172	157	199	79	321	141	286	263	211
बुध	285	341	165	188	--	345	27	267	149	329	114	91	39
गुरु	300	356	181	203	15	--	43	282	165	345	129	107	54
शुक्र	257	314	138	161	333	317	--	239	122	302	86	64	12
शनि	18	74	259	281	93	78	121	--	243	63	207	185	132
राहु	135	192	16	39	211	195	238	117	--	180	324	302	249
केतु	315	12	196	219	31	15	58	297	180	--	144	122	69
इंद्र	171	227	52	74	246	231	274	153	36	216	--	338	285
वरुण	193	250	74	97	269	253	296	175	58	238	22	--	308
रुद्र	246	302	127	149	321	306	348	228	111	291	75	52	--

भाव स्फुट आणि कुंडली

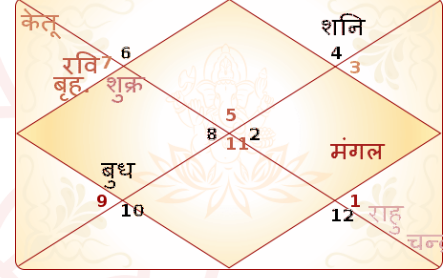
लम्ब (जन्म) कुंडली



भाव कुंडली



भाव चलित कुंडली



भाव क्रमांक	भाव मध्य	भाव विस्तार (आरंभ --- अंत)
1	सिंह 04:11:09	कर्क 18:56:23 सिंह 18:56:23
2	कन्या 03:41:38	सिंह 18:56:23 कन्या 18:26:52
3	तुला 03:12:06	कन्या 18:26:52 तुला 17:57:20
4	वृश्चिक 02:42:34	तुला 17:57:20 वृश्चिक 17:57:20
5	धनु 03:12:06	वृश्चिक 17:57:20 धनु 18:26:52
6	मकर 03:41:38	धनु 18:26:52 मकर 18:56:23
7	कुंभ 04:11:09	मकर 18:56:23 कुंभ 18:56:23
8	मीन 03:41:38	कुंभ 18:56:23 मीन 18:26:52
9	मेष 03:12:06	मीन 18:26:52 मेष 17:57:20
10	वृषभ 02:42:34	मेष 17:57:20 वृषभ 17:57:20
11	मिथुन 03:12:06	वृषभ 17:57:20 मिथुन 18:26:52
12	कर्क 03:41:38	मिथुन 18:26:52 कर्क 18:56:23

ग्रहापासून भावा (भाव मध्य) पर्यंतचे अंतर

भाव	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इंद्र	वरुण	रुद्र
I	56	241	263	75	60	103	342	225	45	189	167	114
II	27	211	234	46	31	73	313	195	15	160	137	85
III	357	182	204	16	1	44	283	166	346	130	108	55
IV	328	152	175	347	332	14	254	136	316	101	78	26
V	297	122	144	316	301	344	223	106	286	70	48	355
VI	267	91	114	286	271	313	193	75	255	40	17	325
VII	236	61	83	255	240	283	162	45	225	9	347	294
VIII	207	31	54	226	211	253	133	15	195	340	317	265
IX	177	2	24	196	181	224	103	346	166	310	288	235
X	148	332	355	167	152	194	74	316	136	281	258	206
XI	117	302	324	136	121	164	43	286	106	250	228	175
XII	87	271	294	106	91	133	13	255	75	220	197	145

मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रवि	----	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	----	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	----	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	----	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरू	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	----	शत्रु	सम	मित्र	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	----	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	----	मित्र	मित्र
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	मित्र	----	सम
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	----

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रवि	----	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
चंद्र	शत्रु	----	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
मंगल	शत्रु	शत्रु	----	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	शत्रु	शत्रु	शत्रु	----	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरू	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	----	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	----	शत्रु	शत्रु	मित्र
शनि	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	----	शत्रु	मित्र
राहु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	----	शत्रु
केतु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	----

पंचधा मैत्री

ग्रह	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रवि		सम	सम	शत्रु	सम	सम	सम	अधिशत्रु	सम
चंद्र	सम		शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	सम	सम		अधिशत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	सम	अधिशत्रु	शत्रु		शत्रु	अधिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरू	सम	सम	सम	अधिशत्रु		सम	मित्र	सम	मित्र
शुक्र	सम	अधिशत्रु	शत्रु	अधिमित्र	मित्र		सम	सम	अधिमित्र
शनि	सम	सम	सम	अधिमित्र	मित्र	सम		सम	अधिमित्र
राहु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	सम	सम	सम		शत्रु
केतु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	मित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	शत्रु	

षोडश वर्ग

<p>होरा कुंडली</p>	<p>द्वेषकान कुंडली</p>	<p>चतुर्थांश कुंडली</p>
धन संपत्ती करिता	सहोदरांचे जीवन आणि स्वास्थ्य	बाह्य आणि राहते घर
<p>सप्तमांश कुंडली</p>	<p>नवमांश कुंडली</p>	<p>दशमांश कुंडली</p>
संतति आणि नातवंडे	जीवनसाथी आणि त्यांचे स्वास्थ्य	कार्यक्षेत्र आणि कोणत्याही कामात यश
<p>द्वादशांश कुंडली</p>	<p>षोडशांश कुंडली</p>	<p>विशांश कुंडली</p>
आईवडिलांचे जीवन आणि स्वास्थ्य	वाहनविषयक गोष्टी	अध्यात्मिक कल
<p>चतुर्विंशांश कुंडली</p>	<p>सप्तविंशांश कुंडली</p>	<p>त्रिंशांश कुंडली</p>
शिक्षण, ज्ञान, आकलनता	शक्ती आणि दुर्बलता	दारिद्र्य, अडथळे आणि दुर्दशा
<p>खवेदांश कुंडली</p>	<p>अक्षवेदांश कुंडली</p>	<p>षष्ठांश कुंडली</p>
शुभाशुभ घडामोडी	सर्व बाबींसाठी	सर्व बाबींसाठी

भिन्नाष्टक वर्गकुंडली

शनि भिन्नाष्टक वर्ग												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	4
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
रवि	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
शुक्र	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	1	6
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लब्ध	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	6
योग	2	4	4	2	5	6	3	3	1	3	3	39

मंगल भिन्नाष्टक वर्ग												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	7
गुरु	0	0	0	1	1	1	0	0	0	0	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
रवि	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	5
शुक्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	4
बुध	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	4
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लब्ध	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
योग	3	3	3	4	4	3	4	1	2	3	5	4

शुक्र भिन्नाष्टक वर्ग												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	7
गुरु	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	5
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	6
रवि	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	3
शुक्र	0	0	1	1	1	1	0	1	1	1	1	9
बुध	0	0	1	0	1	0	0	0	1	0	1	5
चंद्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	9
लब्ध	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	1	8
योग	3	4	6	3	7	5	2	4	5	1	6	52

चंद्र भिन्नाष्टक वर्ग												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	7
मंगल	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7

गुरु भिन्नाष्टक वर्ग												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	4
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
रवि	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	0	9
शुक्र	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	6
बुध	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
चंद्र	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
लब्ध	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
योग	5	5	4	5	6	3	5	6	6	5	4	56

रवि भिन्नाष्टक वर्ग												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
गुरु	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
रवि	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	8
शुक्र	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	3
बुध	0	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
लब्ध	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
योग	4	5	5	5	4	2	5	3	2	5	5	48

बुध भिन्नाष्टक वर्ग												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
गुरु	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
रवि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	5
शुक्र	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	8
बुध	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	1	8
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	6
लब्ध	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	7
योग	2	5	4	5	5	6	3	4	3	5	6	54

लब्ध भिन्नाष्टक वर्ग												
राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
शनि	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	6
गुरु	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	9
मंगल	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5

रवि	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	6
शुक्र	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लब्ध	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
योग	4	7	3	4	5	5	4	1	4	6	4	2	49

रवि	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	6
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	1	1	7
बुध	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	5
लब्ध	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
योग	3	3	5	5	3	4	4	3	3	7	4	5	49

राहु भिन्नाष्टक वर्ग

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	
शनि	1	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	0	6
गुरु	0	1	0	0	0	0	1	0	1	1	0	1	5
मंगल	0	1	1	0	1	0	1	0	0	0	0	1	5
रवि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	0	1	0	7
शुक्र	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	4
बुध	1	1	0	0	0	1	0	1	0	1	0	0	5
चंद्र	1	0	1	0	1	0	1	1	1	1	0	0	7
लब्ध	1	0	0	1	0	0	1	1	1	0	0	0	5
योग	6	6	3	2	2	3	6	5	4	4	1	2	44

कक्षा बल

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	
शनि	5	7	1	4	2	5	5	4	4	3	4	4	48
गुरु	3	4	3	5	8	4	3	2	1	3	4	5	45
मंगल	5	5	4	4	3	4	4	4	4	7	8	2	54
रवि	4	5	3	6	8	3	3	3	4	4	2	4	49
शुक्र	4	2	4	5	3	6	3	3	4	4	4	5	47
बुध	1	3	5	6	8	3	4	2	5	3	6	7	53
चंद्र	2	3	6	2	2	6	2	2	2	4	8	2	41
लब्ध	2	7	8	1	5	3	6	5	2	7	1	2	49
योग	26	36	34	33	39	34	30	25	26	35	37	31	386

सर्वाष्टक वर्गाचा निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशी	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुळा	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	
भाव	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	
शनि	2	4	4	2	5	6	3	3	1	3	3	3	39
गुरू	5	5	4	5	6	3	5	6	6	5	4	2	56
मंगळ	3	3	3	4	4	3	4	1	2	3	5	4	39
रवि	4	5	5	5	4	2	5	3	2	5	5	3	48
शुक्र	3	4	6	3	7	5	2	4	5	1	6	6	52
बुध	2	5	4	5	5	6	3	4	3	5	6	6	54
चंद्र	4	7	3	4	5	5	4	1	4	6	4	2	49
योग	23	33	29	28	36	30	26	22	23	28	33	26	337
लब्ध	3	3	5	5	3	4	4	3	3	7	4	5	49
राहु	6	6	3	2	2	3	6	5	4	4	1	2	44

तत्त्व चक्र

स.व. बिंदु	पूर्णांक	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नी त्रिकोण	84.25	82	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोण	84.25	91	दक्षिण
वायु त्रिकोण	84.25	88	पश्चिम
जल त्रिकोण	84.25	76	उत्तर

(विशेष - सर्वाधिक बिंदु सर्वाधिक शुभ दिशेचा संकेत देतो (पू, द, प, आणि उ). जर दोन्ही भागांच्या बिंदुंची संख्या एकसारखी किंवा जवळपास असेल तर, तो शुभ दिशा (उ पू, दपू, उ प आणि द प) असेल.)

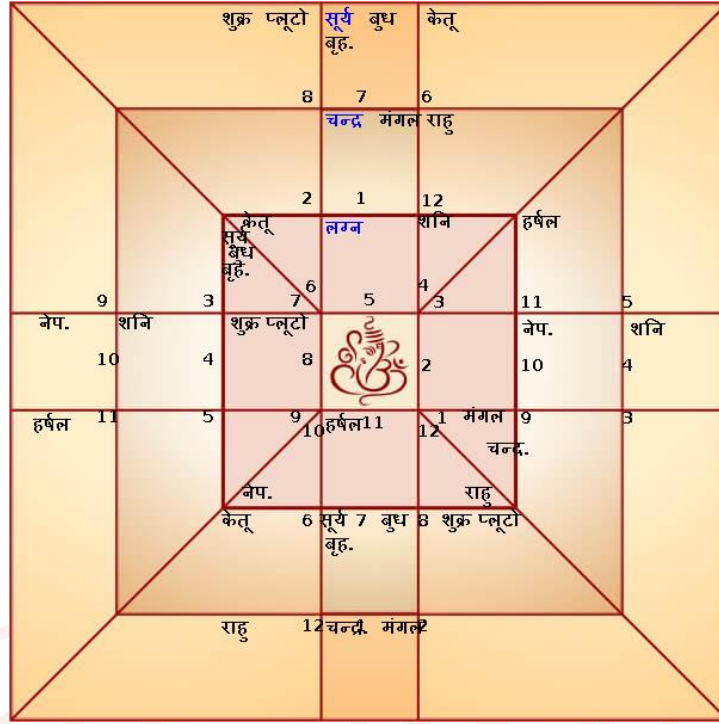
भुवन चक्र

स.व. बिंदु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
केंद्र भाव - राशी	112.33	124	मेहनत आणि एकाग्रता
पणफर भाव - राशी	112.33	108	अर्थिक स्थिती
अपोक्लिम भाव - राशी	112.33	105	वित्त हानी

दिशा चक्र

स.व. बिंदु	स.व. बिंदु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
बंधुक	भाग्य त्रिकोण	112.33	82	भावंडाकडून मदत
सेवक	कर्म त्रिकोण	112.33	91	नोकरीतून धनार्जन
पोषक	लाभ त्रिकोण	112.33	88	लाभ आणि धन
घातक	व्यय त्रिकोण	112.33	76	दुर्भाग्य व हानी

सुदर्शन चक्र



सुदर्शन चक्र शुभ आणि अशुभ ग'हांचा प्रभाव दर्शविते. हे (१) लग्न, (२) चंद्र आणि (३) सूर्य यांच्या स्थितीचा प्रभाव दर्शविते. या आधारे जातकाचे वय तसेच हा प्रभाव जातकावर केव्हा पडणार हे देखील दर्शविते.

जर फक्त शुभ ग'हांचा (गुरू, शुक्र, बुध, चंद्र) प्रभाव असेल तर संपूर्ण वर्ष आनंदमय जाईल आणि मंगल कार्य होतील. जर फक्त अशुभ ग'हांचा प्रभाव असेल तर हे वर्ष अमंगल असेल.

विंशोत्तरी दशा

जन्मवेळी विंशोत्तरी भोग्य दशा (एन.सी. लहरी अयनांश :0२३:५६:१६) चंद्र ४.० व.४.० म.१५ दि.

क.स.	ग्रह दशा	अवधी	पासून
1	केतु	4.0 y.4.0 m.15 d.	18:10:2005
2	शुक्र	20.0 y.0.0 m.0 d.	03:03:2010
3	रवि	6.0 y.0.0 m.0 d.	03:03:2030
4	चंद्र	10.0 y.0.0 m.0 d.	03:03:2036
5	मंगळ	7.0 y.0.0 m.0 d.	03:03:2046
6	राहु	18.0 y.0.0 m.0 d.	03:03:2053
7	गुरू	16.0 y.0.0 m.0 d.	03:03:2071
8	शनि	19.0 y.0.0 m.0 d.	03:03:2087
9	बुध	17.0 y.0.0 m.0 d.	03:03:2106

केतु दशा

अंतरदशा	पासून
केतु	
शुक्र	
रवि	
चंद्र	
मंगळ	18:10:2005
राहु	01:02:2006
गुरू	19:02:2007
शनि	26:01:2008
बुध	06:03:2009

शुक्र दशा

अंतरदशा	पासून
शुक्र	03:03:2010
रवि	03:07:2013
चंद्र	03:07:2014
मंगळ	03:03:2016
राहु	03:05:2017
गुरू	03:05:2020
शनि	02:01:2023
बुध	03:03:2026
केतु	02:01:2029

रवि दशा

अंतरदशा	पासून
रवि	03:03:2030
चंद्र	21:06:2030
मंगळ	20:12:2030
राहु	27:04:2031
गुरू	21:03:2032
शनि	08:01:2033
बुध	20:12:2033
केतु	27:10:2034
शुक्र	03:03:2035

चंद्र दशा

अंतरदशा	पासून
चंद्र	03:03:2036
मंगळ	02:01:2037
राहु	02:08:2037
गुरू	01:02:2039
शनि	02:06:2040
बुध	02:01:2042
केतु	03:06:2043
शुक्र	02:01:2044
रवि	02:09:2045

मंगळ दशा

अंतरदशा	पासून
मंगळ	03:03:2046
राहु	30:07:2046
गुरू	18:08:2047
शनि	24:07:2048
बुध	02:09:2049
केतु	30:08:2050
शुक्र	26:01:2051
रवि	27:03:2052
चंद्र	02:08:2052

राहु दशा

अंतरदशा	पासून
राहु	03:03:2053
गुरू	14:11:2055
शनि	09:04:2058
बुध	13:02:2061
केतु	02:09:2063
शुक्र	20:09:2064
रवि	20:09:2067
चंद्र	14:08:2068
मंगळ	13:02:2070

गुरू दशा

अंतरदशा	पासून
गुरू	03:03:2071
शनि	21:04:2073
बुध	02:11:2075
केतु	07:02:2078
शुक्र	14:01:2079
रवि	14:09:2081
चंद्र	03:07:2082
मंगळ	02:11:2083
राहु	08:10:2084

शनि दशा

अंतरदशा	पासून
शनि	03:03:2087
बुध	06:03:2090
केतु	14:11:2092
शुक्र	23:12:2093
रवि	22:02:2097
चंद्र	04:02:2098
मंगळ	05:09:2099
राहु	14:10:2100
गुरू	21:08:2103

बुध दशा

अंतरदशा	पासून
बुध	03:03:2106
केतु	30:07:2108
शुक्र	27:07:2109
रवि	27:05:2112
चंद्र	03:04:2113
मंगळ	02:09:2114
राहु	30:08:2115
गुरू	19:03:2118
शनि	23:06:2120

शुक्र ग्रह दशा

शुक्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून
शुक्र	03:03:2010
रवि	22:09:2010
चंद्र	22:11:2010
मंगळ	03:03:2011
राहु	13:05:2011
गुरू	12:11:2011
शनि	22:04:2012
बुध	02:11:2012
केतु	23:04:2013

रवि अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून
रवि	03:07:2013
चंद्र	21:07:2013
मंगळ	21:08:2013
राहु	11:09:2013
गुरू	05:11:2013
शनि	23:12:2013
बुध	19:02:2014
केतु	12:04:2014
शुक्र	03:05:2014

चंद्र अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून
चंद्र	03:07:2014
मंगळ	23:08:2014
राहु	27:09:2014
गुरू	27:12:2014
शनि	19:03:2015
बुध	23:06:2015
केतु	17:09:2015
शुक्र	23:10:2015
रवि	01:02:2016

मंगळ अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून
मंगळ	03:03:2016
राहु	27:03:2016
गुरू	30:05:2016
शनि	26:07:2016
बुध	02:10:2016
केतु	02:12:2016
शुक्र	26:12:2016
रवि	07:03:2017
चंद्र	29:03:2017

राहु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून
राहु	03:05:2017
गुरू	14:10:2017
शनि	09:03:2018
बुध	30:08:2018
केतु	01:02:2019
शुक्र	06:04:2019
रवि	05:10:2019
चंद्र	29:11:2019
मंगळ	28:02:2020

गुरू अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून
गुरू	03:05:2020
शनि	10:09:2020
बुध	11:02:2021
केतु	29:06:2021
शुक्र	25:08:2021
रवि	03:02:2022
चंद्र	24:03:2022
मंगळ	13:06:2022
राहु	09:08:2022

शनि अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून
शनि	02:01:2023
बुध	04:07:2023
केतु	14:12:2023
शुक्र	20:02:2024
रवि	31:08:2024
चंद्र	28:10:2024
मंगळ	01:02:2025
राहु	10:04:2025
गुरू	30:09:2025

बुध अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून
बुध	03:03:2026
केतु	28:07:2026
शुक्र	26:09:2026
रवि	18:03:2027
चंद्र	08:05:2027
मंगळ	02:08:2027
राहु	02:10:2027
गुरू	05:03:2028
शनि	21:07:2028

केतु अंतरदशा

प्रत्यंतर	पासून
केतु	02:01:2029
शुक्र	26:01:2029
रवि	07:04:2029
चंद्र	29:04:2029
मंगळ	03:06:2029
राहु	28:06:2029
गुरू	31:08:2029
शनि	27:10:2029
बुध	02:01:2030

अष्टोत्तरी दशा

आपल्या कुंडलीत अष्टोत्तरी दशेचा कितिकादी सिद्धांत प्रभावी होत आहे.

ग्रह (नक्षत्र)	दशा काळ	पासून	काळ बिंदू
शुक्र(अश्विनी)	3.0 y.3.0 m.12 d.	18:10:2005	035:51:07
शुक्र(भरणी)	5.0 y.3.0 m.0 d.	28:01:2009	093:37:40
रवि(कृत्तिका)	2.0 y.0.0 m.0 d.	29:04:2014	001:14:18
रवि(रोहिणी)	2.0 y.0.0 m.0 d.	29:04:2016	185:37:10
रवि(मृग)	2.0 y.0.0 m.0 d.	29:04:2018	208:11:15
चंद्र(आर्द्रा)	3.0 y.9.0 m.0 d.	29:04:2020	354:02:18
चंद्र(पुनर्वसु)	3.0 y.9.0 m.0 d.	28:01:2024	189:15:44
चंद्र(पुष्य)	3.0 y.9.0 m.0 d.	29:10:2027	111:13:35
चंद्र(आश्लेषा)	3.0 y.9.0 m.0 d.	30:07:2031	204:34:35
मंगळ(मघा)	2.0 y.8.0 m.1 d.	29:04:2035	196:36:23
मंगळ(पूर्वफाल्गुनी)	2.0 y.8.0 m.1 d.	29:12:2037	254:22:56
मंगळ(उत्तराफाल्गुनी)	2.0 y.8.0 m.1 d.	29:08:2040	208:11:15
बुध(हस्त)	4.0 y.3.0 m.0 d.	29:04:2043	204:34:35
बुध(चित्रा)	4.0 y.3.0 m.0 d.	30:07:2047	227:08:39
बुध(स्वाती)	4.0 y.3.0 m.0 d.	29:10:2051	188:36:51
बुध(विशाखा)	4.0 y.3.0 m.0 d.	28:01:2056	023:50:16
शनि(अनुराधा)	3.0 y.4.0 m.1 d.	29:04:2060	212:27:08
शनि(ज्येष्ठा)	3.0 y.4.0 m.1 d.	29:08:2063	305:48:08
शनि(मूल)	3.0 y.4.0 m.1 d.	29:12:2066	275:15:51
गुरू(पूर्वाषाढा)	4.0 y.9.0 m.0 d.	29:04:2070	051:04:33
गुरू(उत्तराषाढा)	4.0 y.9.0 m.0 d.	28:01:2075	004:52:51
गुरू(अभिजीत)	4.0 y.9.0 m.0 d.	29:10:2079	004:52:51
गुरू(श्रवण)	4.0 y.9.0 m.0 d.	29:07:2084	189:15:44
राहु(धनिष्ठा)	4.0 y.0.0 m.0 d.	29:04:2089	016:36:23
राहु(शततारका)	4.0 y.0.0 m.0 d.	29:04:2093	338:03:34
राहु(पूर्वाभाद्रपदा)	4.0 y.0.0 m.0 d.	29:04:2097	173:18:00
शुक्र(उत्तराभाद्रपदा)	5.0 y.3.0 m.0 d.	29:04:2101	333:02:24

योगिनी दशा

ग्रह (नक्षत्र)	दशा काल	पासून	काल बिंदू
भ्रामरी (मंगळ) (अश्विनी)	2.0 y.6.0 m.0 d.	18:10:2005	196:36:23
भद्रीका (बुध) (भरणी)	5.0 y.0.0 m.0 d.	17:04:2008	066:23:24
उल्का (शनि) (कृत्तिका)	6.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2013	286:50:43
सिद्धा (शुक्र) (रोहिणी)	7.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2019	231:48:51
संकटा (राहु) (मृग)	8.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2026	016:36:23
मंगला (चंद्र) (आर्द्रा)	1.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2034	354:02:18
पिंगला (सूर्य) (पुनर्वसु)	2.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2035	004:52:51
धन्या (गुरु) (पुष्य)	3.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2037	290:29:17
भ्रामरी (मंगळ) (आश्लेषा)	4.0 y.0.0 m.0 d.	17:04:2040	227:08:39
भद्रीका (बुध) (मघा)	5.0 y.0.0 m.0 d.	17:04:2044	008:36:51
उल्का (शनि) (पूर्वाफाल्गुनी)	6.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2049	333:02:24
सिद्धा (शुक्र) (उत्तराफाल्गुनी)	7.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2055	047:25:59
संकटा (राहु) (हस्त)	8.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2062	354:02:18
मंगला (चंद्र) (चित्रा)	1.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2070	032:34:07
पिंगला (सूर्य) (स्वाती)	2.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2071	169:39:26
धन्या (गुरु) (विशाखा)	3.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2073	008:31:25
भ्रामरी (मंगळ) (अनुराधा)	4.0 y.0.0 m.0 d.	17:04:2076	133:47:40
भद्रीका (बुध) (ज्येष्ठा)	5.0 y.0.0 m.0 d.	17:04:2080	039:09:07
उल्का (शनि) (मूळ)	6.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2085	275:15:51
सिद्धा (शुक्र) (पूर्वाषाढा)	7.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2091	093:37:40
संकटा (राहु) (उत्तराषाढा)	8.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2098	169:39:26
मंगला (चंद्र) (श्रवण)	1.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2106	010:00:03
पिंगला (सूर्य) (धनिष्ठा)	2.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2107	208:11:15
धन्या (गुरु) (शततारका)	3.0 y.0.0 m.0 d.	18:04:2109	173:18:00

जातका संबंधी सामान्य भविष्यवाणी (लब्धराशीफल)

सामान्य माहिती :

आपली लब्ध राशी सिंह आहे, जिचा स्वामी रवि आहे. जसे की, रवि हा सर्व ग्रहांमध्ये प्रमुख ग्रह मानला जातो, त्याचप्रमाणे आपली जीवनशैली देखील एखाद्या राजाप्रमाणे असेल. आपल्यात नेतृत्वाची क्षमता असेल. ही एक अखिलतत्वाची, स्थिर किंवा गंभीर राशी आहे. विशेषतः ही एक निर्दय तसेच नीरस राशी आहे. आपल्यात भरपूर उत्साह आणि शक्ती असेल. आपले व्यवहारीक चमत्कारी असेल.

आपण दृढ निश्चयी, गर्विष्ठ, तसेच निडर प्रतिमेचे असाल. तसेच जीवनात विचारांनी व पैशांनी श्रीमंत असाल. आपण अंतर्मुखी आणि इतरांविषयी सहानुभूती बाळगणारे असाल, परंतु शत्रूंविषयी आपल्या हृदयांत कोणतीही दया-माया असणार नाही, त्यांच्याविरुद्ध आपण आक्रमक असाल. आपण महत्वाकांक्षी, ऐश्वर्यवान तसेच उदार असाल. आपण कला, साहित्य आणि संगीताचे प्रेमी असाल. आपण रुढीवादी असाल आणि परंपरांना महत्त्व घाल. आपल्यात भरपूर आत्मविश्वास असेल आणि वेगवेगळ्या परिस्थितीत सामंजस्याची प्रभावीपणे सांगड घालण्याची क्षमता आपणात असेल. आपल्या कामात यश आपणाला सहजपणे प्राप्त होईल. आपण आपल्या ध्येयाच्या पूर्ततेकडे जाण्यात सक्षम असाल. आपण ठरविलेले यशोशिखर गाठण्यात यशस्वी व्हाल.

आपण सिंहाप्रमाणेच स्वतंत्रताप्रिय असाल, आणि कुणाच्या अधीन होऊन राहणे आपल्याला आवडणार नाही. कोणतीही बाधा आणि बंधने आपल्याला आजिबात आवडणार नाहीत. आपण ईमानदार, सत्यवादी आणि न्यायप्रिय असाल. जी लोक आपल्याला त्रास देतील, त्यांना तुमच्याविरुद्ध केलेल्या कामांबद्दल आपण क्षमा कराल, अर्थात आपण क्षमावान असाल. आपणाला विविध विषयांचा अभ्यास करणे आवडेल. आपण सकारात्मक विचारांचे असताल. जीवनाकडे साधारण दृष्टीकोनातून पाहण्यापेक्षा जीवनाकडे बघताना आपला दृष्टिकोन अध्यात्मिक आणि तात्विक असेल. ईश्वराविषयी आपल्या मनात नितांत आदर आणि श्रद्धा असेल. आणि आपण ईश्वराच्या अस्तिवाविषयी संपूर्ण विश्वास ठेवणारे असाल. या कारणामुळेच आपण अनैतिक आणि पापकर्मापासून दूर राहू शकाल. आपल्या मनात कुणाविरुद्ध वैरभावना नसेल, तसेच कुणाविषयी काडीमात्रही ईर्ष्या मुळीच नसेल.

आपल्याला पर्वत, जंगले निबीड अरण्य इत्यादींची आवड असेल. आपण येनकेन प्रकारे समूह, मंडळीचे आपण विरोधक असाल. आपण खूप उदार आणि शालीन असाल. आपण आशावादी, उच्च विचारांचे धनी तसेच उदार मनाने शत्रूत्व विसरून जाणारे असाल. आपण स्वभावाने गंभीर तसेच निर्धारक प्रतिमेचे असाल तसेच दिलेले वचन पाळणारे असाल. आपल्या याच गुणवैशिष्ट्यांमुळे आपण लोकांना झुकवू शकाल तसेच अधिकारी आणि शक्तीशाली लोक यांना देखील स्वतःकडे आकर्षित करून घ्याल. आपण विश्वासू आणि कोमल-हृदयी असाल ज्यामुळे लोक आपला आदर करतील.

मानसीक स्थिती :

आपल्या कुंडलीमध्ये चंद्र मेष राशीत स्थित आहे, मेष राशीत असल्यामुळे चंद्र मंगळ या ग्रहाद्वारे संचालित होत आहे. मेष ही चर स्वभावाची आणि अग्नी राशी आहे. आपण संवेगी, स्वतंत्र, आत्मनिर्भर तसेच आशावादी असू शकता. आपण उच्च तसेच आततायी स्वभावाचे असू शकता आपण फारसे आज्ञाधारक असणार नाही तसेच परंपरा आणि रीतिरिवाज यांना अधिक महत्त्व देणार नाही. आपण

परिवर्तनशील आणि चंचल असू शकता. आपण धैर्यवान नसाल आपला स्वभाव चिडचिडा असेल. आपण शीघ्रकोपी असाल. 'ऐकावे जनाचे करावे मनाचे' असे आपल्या जीवनाचे तत्त्व राहिले. म्हणजेच आपण स्वतःच्याच विचारांना मान्यता द्याल आणि इतरांचा सल्ला ऐकणार नाहीत.

आपणास पुष्कळ प्रसिद्धी प्राप्त होईल. आपले भरपूर प्रशंसक आणि मित्र असतील. इतरांच्यामध्ये जागरूकता आणण्याची क्षमता असेल ज्यामुळे आपण लोकांना स्वतःच्या नियंत्रणात ठेऊ शकता. आपल्या विशिष्ट गुणांमुळे आपण अल्पावधीतच आपली ओळख निर्माण कराल तसेच आपण एखाद्या विभाग, कार्यालय किंवा उपक्रमाचे अध्यक्ष होऊ शकता. जर आपणास कार्याक्षेत्रात काही विशेष अधिकार प्राप्त नसेल तर आपण अल्पावधीतच असे नवीन मार्ग शोधाल. कमी वयातच आपण निश्चितपणे उत्तम स्थिती प्राप्त करून घ्याल. आपणाला कोणत्याही पार्टीची सदस्यता आवडणार नाही. आपल्या व्यवसायात काही गोपनीयता असू शकते. रहस्यमय विषय आपणाला आकर्षित करतील तसेच या संबंधित विषयांच्या अध्ययनात आवड असेल.

आपल्यात अद्भुत जीवनशक्ती असेल. परंतु आपणाला वारंवार काही छोट्या दुर्घटनांचा सामना करावा लागू शकतो. बालपणीच्या एखाद्या दुर्घटनेचे आपल्या डोक्यावर किंवा चेहऱ्यावर चिन्ह असू शकते. आपल्याला उष्णतेचे विकार होऊ शकतात किंवा आपणास ज्वरपीडा होऊ शकते. आपण विरुद्धलिंगी व्यक्तीकडे आकर्षित व्हाल आणि अल्प वयातच आपल्याकडून पसंत केल्या गेलेल्या व्यक्तीशी आपले लग्न होऊ शकते. आपल्याला मुलांचा लळा असेल. आपले पहिले अपत्य आपल्यासाठी 'जीव की प्राण' असेल. जर आपल्या कुंडलीत कोणता बलवान ग्रह नसेल तर आई किंवा वडिल यापैकी एकाशी आपले गंभीर मतभेद असू शकतात आणि किशोर असस्थेतच नाईलाजास्तव त्यांच्यापासून वेगळे होऊ शकता.

शारीरिक जडणघडण

रवि या राजसी ग्रहाच्या प्रभावामुळे आपले व्यक्तीमत्त्व राजसी असेल. आपला त्वचेच्या रंगात लालसरपणा असेल. आपले व्यक्तीमत्त्व आकर्षक असेल तसेच आपण प्रमाणबद्ध शरीराचे असाल. आपली उंची मध्यम असून चेहरा अंडाकृति असेल तसेच रुंद आणि भरदार खांदे असतील. आपला हसरा चेहरा (मुद्रा) आपल्याला आकर्षणाचे केंद्र बनवेल. आपल्या चालण्यात गतिमानता असेल. आपण फारसे बडबडे नसाल अर्थात आपण आपल्या बोलण्यात शब्दांचा वापर तोलून-मापून कराल.

गुणवैशिष्ट्ये :

आपले विचार आणि आपले कार्य रचनात्मक असेल. आणि त्यात कलात्मकतेची झलक असेल. आपल्यात सामावलेल्या अपार ऊर्जा आणि अंतःस्फूर्तिमुळे आपण सक्रिय आणि उत्साही असाल. आपण सिंहासारखे शूर निडर आणि साहसी असाल. आपण उदार आणि आनंदी स्वभावाचे असाल. आपल्या उत्तम प्रशासन कौशल्यामुळे आपण कोणत्याही गोष्टींना व्यवस्थित करण्यात दक्ष असाल. आपण गंभीर आणि संवेदनाशील असाल. आपले मित्र आणि नातेवाईकांविषयी आपल्याला आपुलकी असेल, आपण त्यांना महत्त्व द्याल तसेच त्यांची विचारपूस कराल, काळजी घ्याल.

अवगुण :

आपली सहनशक्ति कमजोर असू शकते. आपण लहान-सहान गोष्टींवर संताप करू शकता. आपण कुणालाही नघाबरणारे, घमेंडी किंवा अहंकारी असू शकता. आपण दुसऱ्यांवर आपले विचार लादणारे असू शकता. कोणी आपल्यावर हुकूम गाजवावा, आदेश सोडावा हे आपणाला कधीही आवडणार नाही.

विशेष लक्षणे :

१. आपली सर्वसमावेशक बुद्धी आणि मोकळे विचार तसेच कोणत्याही परिस्थितीसोबत सामंजस्याची सांगड घालण्याच्या प्रवृत्तिमुळे आपण समाजातल्या सर्व स्तरातील लोकांसोबत ते मग उच्चभ्रू असोत की अतिसामान्य कोणते का असेना आपण त्यांच्यात सहजपणे मिसळून जाऊ शकता. आपण उदार असाल.

उपजिविकेचे साधन :

आपण कोणत्याही विभागात उच्च पदावर कार्यरत असू शकता. आपण राजनैतिक नेता, वरिष्ठ अधिकारी, व्यवस्थापक किंवा राजदून असू शकता. आपण विज्ञान किंवा तांत्रिक संबंधी एखाद्या संशोधनात्मक कार्याशीदेखील संलग्न असू शकता. आपण संगमरवर, लाकूड इत्यादी गोष्टींपासून लाभान्वित होऊ शकता किंवा रत्नपारखरी, भूगर्भशास्त्रज्ञ, शिक्षक, अभिनेता किंवा कलाकाराच्या रूपाने प्रचंड नावलौकिक आणि यश मिळवू शकता.

शुभ आणि अशुभ ग्रह :

१. चतुर्थ आणि नवम भावाचा स्वामी असल्यामुळे मंगळ अत्यंत शुभ आणि राजयोगकारक असेल. रविदेखील लब्धाचा स्वामी असल्यामुळे खूप शुभ असेल.
२. चंद्र गुरू आणि शनि हे तीन ग्रह सम असतील.
३. बुध आणि शुक्र हे दोन ग्रह अशुभ असतील.
४. गुरू अष्टम भावाचा स्वामी असल्यामुळे मारक आणि घातक होऊ शकतो.
५. शनि षष्ठ तसेच सप्तम भावाचा स्वामी असल्यामुळे अत्यंत अशुभ आणि मारक असेल.

लब्धाच्या काही प्रसिद्ध व्यक्ती :

आदित्य बिरला-उद्योगपती, इंदरनाथ बॅनर्जी-वकील, जी बॅनर्जी-न्यायधीश, सनथ जयसूर्या-क्रिकेटपटू, ज्योति बसु-राजनेता, गुरू नानक-संत, जनरल मानेकशा-फिल्ड मार्शल, जे. एम्. बेयर्डे-टेलीव्हिजनचा जनक, फिलिप बुर्के-लेखक, स्वामी योगानंद-संत, रजनीकांत-अभिनेता, श्री. निक्सन-अमेरिकेचे माजी राष्ट्रपती.

जन्मपत्रिकेत असलेल्या विभिन्न ज्योतिषीय गणनाद्वारे भविष्यफल

जन्मसमयीच्या संवत्सरानुसार भविष्यफल :

आपला जन्म पार्थिव संवत्सरात झाला आहे. जसेकी नावावरून हे प्रदर्शित होते की आपण जमीनीशी निगडीत आणि खूप व्यवहारीक दृष्टीकोन आणि संवेदनशील प्रकृतीचे व्यक्ती असाल. आपणात धारणा आणि विचार, आवश्यकता आणि मोहक लालसा, वास्तविकता आणि कल्पना इत्यादिमध्ये फरक करण्याची एक विकसित भावना असेल. आपण अत्यंत बुद्धीमान असाल आणि आपणास अनेक विषयांची रुची असून अभ्यास असेल. आपण ललित कलेमध्ये दक्षता प्राप्त करू शकाल. ग्रहीत सामाजीक रिवाज आणि परंपरागत धार्मिक मान्यतांच्या प्रती आपणात सन्मानाची भावना असेल. सुनहरी आशेच्यामागे धावण्यापेक्षा आपण काही परिणामदायक कामात संलग्न असाल आणि आपल्या षविष्याचे निर्माण कराल.

जन्मसमयीच्या सौर अयनानुसार भविष्यफल :

आपला जन्म सूर्याच्या दक्षिणायना (किंवा यमायन) मध्ये झाला आहे. जर काही प्रतीकारी प्रभाव आपल्या कुंडलीत नसतील तर हा संकेत अनुकूल आहे. आपण काही प्रमाणात दांभिक आणि हट्टी प्रकृतीचे किंवा असहिष्णु स्वभावाचे व्यक्ती असाल. जर काही अनुकूल रवी योग कुंडली (शुभ कर्तरी, उभयाचरी, वेशी, वोशी इत्यादि.) उपस्थित असतील तर या स्थितीमध्ये चांगल्या कारणांकरीता सुधार होईल. परंतु जर सूर्य पाप कर्तरी योगात असेल तर पुढील अधिकृत राशीत नैसर्गिक अशुभ ग्रह आहे तर आपण कठोर हृदयी किंवा कपटी होऊ शकता. आपण आपला उदरनिर्वाह कृषी आणि गुरेढोरे पालनाने कराल व याबरोबरच आपण काही असे काम कराल जिथे केलेल्या परिश्रमांच्या प्रयासाच्या तुलनेत अजिबातच सामंजस्य पूर्ण होऊ शकत नाही.

जन्मसमयीच्या ऋतुनुसार भविष्यफल :

आपला जन्म शरद ऋतु मध्ये झाला आहे. जर काही प्रतीकारी प्रभाव आपल्या कुंडलीत नसतील तर हा संकेत अनुकूल आहे. आपली अंगकाठी कदाचित स.ढ नसावी. ज्यामुळे आपली प्रकृती अस्थिर राहू शकते आणि आपला स्वभाव चिडचिडा असू शकतो. आपण साहस आणि बलवानतेची मूर्ती असाल आणि युध्दात विजय संपादन करण्याची प्रबळ इच्छा असेल. आपण आपले उद्येश पूर्ण करण्याकरीता आपले सर्व लक्ष आपल्या कामावर केंद्रीत कराल. उत्तम रीत्या धनसंग्रह कराल आणि अनेक मौल्यवान वस्तूंचा संग्रह कराल. आपण एक सात्विक हृदयाचे व्यक्ती असाल आणि सामान्यतः लोक आपणास सन्मान देतील.

जन्मसमयीच्या महिन्यानुसार भविष्यफल :

आपला जन्म कार्तिक महिन्यात (ऑक्टोबर/नोव्हेंबर) झाला आहे. जर काही अनिष्ट प्रभाव आपल्या कुंडलीत नसतील तर हा संकेत अनुकूल आहे. आपला चेहरा आकर्षक वागणुक लोभस आणि मृदु स्वभाव असेल. आपण वाचाळ असाल, परंतु हा विशेष गुण आपणास लाभदायक सिध्द होऊ शकतो, जो आपल्या व्यवसायात कौशल्याने

वापरल्यास यशस्वी बनवू शकतो. आपल्या नैसर्गिक कलानुसार आपण स्वतःचा व्यवसाय किंवा विक्री आणि जाहीरातीच्या क्षेत्रामध्ये उत्तम काम करू शकता. जरी आपण काही प्रमाणात कामुक असला तरी आपल्या लोभांचा विरोध करण्यात सक्षम असाल. काही प्रशंसनीय आणि उत्तम काम केल्यामुळे आपली प्रतिष्ठा आणि सन्मानात नेहमी वृद्धी होईल.

जन्मसमयीच्या पक्षानुसार भविष्यफळ :

आपला जन्म कृष्ण पक्षात झालेला आहे. जर काही अनिष्ट प्रभाव आपल्या कुंडलीत नसतील तर हा संकेत अनुकूल आहे. आपली शरीर प्रकृती काही प्रमाणात कमजोर होऊ शकते आणि आपण रोग ग्रस्त होऊ शकता. आपली प्रकृती अशांत आणि स्वभाव अस्थिर होऊ शकतो. आपणावर षंडखोर म्हणून शिक्कामोर्तब होऊ शकतो. आपण भावनाशील होऊ शकता, कोणत्याही गोष्टीचे आकलन करून न घेता राईचा पर्वत करू शकता. याशिवाय आपण कामुक होऊ शकता आणि आपल्या जोडीदाराची चापलूसी करू शकता.

जसेकी आपल्या कुंडलीत शुभ ग्रह गुरु चंद्राबरोबर स्थित आहे (किंवा यावर त्याची .ष्टी आहे), आपण मानसीक शांती आणि वर्तनात समतापूर्वक असाल. आपण मोकळ्या विचारांचे, आशावादी .ष्टीकोण आणि परोपकारी स्वभावाचे असाल. आर्थिक रुपाने आपण बरेच संपन्न असाल आणि आपले मित्र आणि परिचितांची संख्या प्रचंड असेल. आपली निर्णयक्षमता उत्तम असेल. आणि आपल्या लोक लोक काही महत्वाच्या बाबतीत आपला मोलाचा सल्ला घेतील.

जसेकी आपल्या कुंडलीत शनी चंद्राबरोबर स्थित आहे (किंवा यावर त्याची .ष्टी आहे), आपण एक विचारशील व्यक्ती असाल, नेहमी ध्यान मग्न असाल. आपण धैर्यवान आणि निरंतर परीश्रम करण्याच्या गुणांनी युक्त असेल आणि ज्या क्षेत्रात अधिक एकाग्रतेची गरज असते त्या क्षेत्रात श्रेष्ठ काम कराल. आपण काही उत्तम प्रयोजनासाठी काम कराल, मोठी जबाबदारी पार पाडाल. आपल्या जीवनात घडणा-या काही घटनांमुळे आपण व्यथित असाल, आपल्या मनात निराशा शुरु शकते आणि आपला .ष्टीकोण उदासीन होऊ शकतो.

जसेकी आपल्या कुंडलीत मंगळ चंद्राबरोबर स्थित आहे (किंवा यावर त्याची .ष्टी आहे), आपले शरीर भरभक्कम आणि मांसल आणि स्वभाव चिडचिडा असेल. सामान्यतः आपण उल्हासीत असाल, तरीही आपणास एखाद्या बाबतीत ठेच लागू शकते किंवा आपले हीत धोक्यात येईल त्यावेळी आपण क्रोधीत होऊ शकता. आपणास रक्त किंवा रक्तदाबासंबंधी अनेक आजार होऊ शकतात. आपण सांसारिक बाबी आणि पैतिक गोष्टीत व्यस्त राहू शकता. संपत्तीच्या बाबतीत आपण वादविवादात पडू शकता जो खटल्यापर्यंत जाऊ शकतो.

जन्मसमयीच्या दिवसानुसार भविष्यफळ :

आपला जन्म सोमवारी झालेला आहे. दिनपती चंद्राची स्थिती आपल्या कुंडलीत विशेष महत्वपूर्ण आहे. याचे फळ-स्थानात याच्या स्थितीनुसार अजुनही महत्वपूर्ण होईल. याशिवाय सर्व सामान्य स्थिती आपल्या बाजूने असेल. आपण स्वभावाने शांत, नम्र बोलणारे शिक्षित व्यक्ती असाल. सभोवतालच्या बदलावानंतरही आपण सुव्यवस्थित असाल आणि आपल्या उद्देशपूर्तीचे मार्ग जाणून असाल. आपण लोकप्रिय असाल आणि अधिका-यांकडून प्रत्यक्ष सहयोग किंवा अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त कराल.

दिवसा किंवा रात्रीच्या जन्मानुसार भविष्यफळ :

आपला जन्म रात्री झालेला आहे. जर आपल्या कुंडलीत जर प्रभावशाली ग्रह उपस्थित नसतील तर आपण आळशी आणि दिवसा झोपणारे असू शकता. आपण गोपनीय स्वभावाचे असू शकता आणि आपल्या इच्छा गुप्त ठेवू शकता. याशिवाय आपण काही प्रमाणात कामुक स्वभावाचे असू शकता, ज्यामुळे आपण आपल्या जोडीदाराशी दबुन वागाल. जर आपल्या लग्नात एखादा ग्रह स्थित आहे किंवा आपली .ष्टी टाकत असेल तर आपण कर्मठ, उत्साही, मेहनती आणि प्रतिभावान असाल.

जन्मसमयीच्या सूर्य सिध्दांत योगानुसार भविष्यफळ :

सूर्य सिध्दान्त अनुसार आपला जन्म हर्षन या योगावर झालेला आहे. हा एक उत्तम योग आहे. या योगावर जन्म घेतल्यामुळे आपण अनेक बाबतीत भाग्यवान असाल. या योगाच्या नावाप्रमाणेच आपण सौभाग्यवान आणि नेहमी आनंदी वृत्तीचे असाल. आपणास धार्मिक कार्यात रुची असेल, प्रवचन ऐकण्यात आणि परंपरागत धार्मिक अनुष्ठानांचे अवलोकन करण्यात आणि गुप्त प्राचीन धर्मग्रंथाचे अध्ययन करण्यात विशेष रुची असेल.

जन्मसमयीच्या तिथीनुसार भविष्यफळ :

आपला जन्म प्रतिपदा किंवा पहिल्या तिथीस झालेला आहे. जर कोणताही प्राकृतिक ग्रह चंद्राबरोबर असेल किंवा यावर आपली .ष्टी टाकत असेल तर लाभदायक फळ मिळेल. आपण सुंदर, आकर्षक आणि चरीत्रवान, सुशिक्षित व्यक्ती असाल. आपण धनवान असाल आणि प्रतिष्ठीत लोकांकडून सन्मानीत असाल. परंतु कोणताही अशुभ ग्रह चंद्राबरोबर असेल किंवा यावर .ष्टी टाकत असेल तर परिणाम उलट होईल. आपला परीवार मोठा असू शकतो आणि आपले उत्पन्न कमी असू शकते. आपली विश्वसनीयता आणि प्रतिष्ठेला धक्का पोहचू शकतो आणि आपली लोकप्रियता कमी होऊ शकते.

जन्मसमयीच्या करणानुसार भविष्यफळ :

आपला जन्म बालव करणावर झालेला आहे. हा चर श्रेणीचा दूसरा करण आहे. आपण अनेक बाबतीत षग्यवान असाल. आपली शारीरिक ठेवण आणि सुंदर नाकी डोळी आकर्षक व्यक्ती असाल. याशिवाय आपण बुद्धीमान, विद्वान आणि अनेक विषयात निपुण असाल. आपण ललित कलेमध्ये प्रवीण असू शकता. आपल्याजवळ विपुल धनसंपदा असेल आणि आपण नेहमी आपल्याभोवती मित्र, नातेवाईक आणि शुभचिंतकांचा घेराव असेल. परंतु कोणताही अशुभ ग्रह चंद्राबरोबर असेल किंवा यावर .ष्टी टाकत असेल तर आपण कामुक स्वभावाचे असू शकता आणि कोणाबरोबर तरी अनैतिक संबंध ठेवण्याच्या लालसेमुळे आपल्या प्रतिष्ठेला धक्का पोहचवू शकता.

जन्मसमयीच्या नक्षत्रानुसार भविष्यफळ :

आपल्या कुंडलीत चंद्र अश्विनी नक्षत्रात आहे. या नक्षत्रावर जन्म घेतल्यामुळे आपण आकर्षक व्यक्तीमत्वाचे व

मनोहारी रीतींचे शिष्टाचार पाळणारे आणि विनम्र व्यक्ती असाल. आपण फॅशनयुक्त परिधान आणि स्वतःला सजविण्याचे शौकिन असाल. आपण अत्यंत बुध्दीमान, सुशिक्षित, ज्ञानी आणि आपल्या कामात दक्ष असाल. परंतु आपण नम्र आणि लाजाळू प्रकृतीचे असल्याने आपण दुस-यांची सेवा करण्यात व्यस्त असाल व त्यामुळे आपली प्रगती अपेक्षेपेक्षा कमी होईल. आपण आपल्या जोडीउार व संतानाच्या बाबतीत षग्यवान असाल आणि आपले गृहस्थ जीवन शांतीपूर्ण आणि खुशहाल होईल. आपला मोकळेपणा, विनम्र व्यवहार आणि उदार स्वभावामुळे आपण सामाजिक स्वरूपाने प्रसिध्द असाल.



कुंडलीत होत असलेले योग (ग्रह युती)

कुंडलीत होत असलेले महत्वपूर्ण योग

आपल्या कुंडलीत, लग्नेश आणि व्वादशेश केंद्रीय स्थान किंवा लग्न, 4 थ्या, 7 व्या, आणि 10 व्या स्थानात ग्रह आहेत. जेव्हाकी एक किंवा आधिक मित्र ग्रहाची दृष्टी यावर आहे. समग्ररूपाने ही एक अत्यंत अनुकूल युती पर्वत योग (विद्यानाथाची जातक परिजात नुसार),निर्माण करते. या शुभ योगामुळे आपण अत्यंत भाग्यवान व्हाल. आपल्याला प्राचीन धार्मिक ग्रंथ आणि पवित्र शास्त्रांचे ज्ञान आणि वाग्मिताची देणगी मिळेल. आपला भाव परोपकारी असेल. याशिवाय आपण गौरवशाली आणि उत्साही व्हाल आणि शहर/गाव/खेडेगाव यातील समाजात आपण अत्यंत आदरणीय व्यक्ती व्हाल.

आपल्या कुंडलीत, चतुर्थेश बलवान आहे, जसेकी हा तुंगस्थ किंवा स्वराशीत आहे, याशिवाय यावर लग्नेशाची दृष्टी आहे. समग्ररूपाने ही एक अत्यंत अनुकूल युती काहल योग निर्माण करते. या शुभ योगावर जन्म घेतल्यामुळे आपण खूपच उर्जावान, कलात्मक आणि साहसी व्हाल. आपल्याला शक्ती आणि अधिकाराचे पद प्राप्त होईल आणि आपण आपल्या कार्यक्षेत्रावर नियंत्रण ठेवाल. आपण एक पोलीस अधिकारी/तहसीलदार/जिल्हाध्यक्ष होउ शकता.

आपल्या कुंडलीत नवमेश 3-या, 6 व्या, 8 व्या आणि 12 व्या भावाशिवाय कुठल्याही भावात आहे. नवमेश राशीचा स्वामी 9 व्या भावात आहे. ही एक खूप अनुकूल युति आहे, ज्याला महा योग म्हणतात. आपल्या कुंडलीत ही शुभ युति असल्याने आपणाला धनदेवीचे वरदान प्राप्त होईल, तसेच राज्य व अधिकारांकडून सन्मान प्राप्त होईल. आपण आपल्या जीवनासाठी, संतती, संबंधित व मित्रां बरोबर आपले जीवन आरामात घालवाल. आपल्याला समाजात बराच मान मिळेल आणि आपली विश्वसनीयता, मान, यश व प्रतिष्ठा यात नेहमी वाढ होईल.

आपल्या कुंडलीत नैसर्गिक शुभ ग्रह 4 थ्या, भावात आहे, किंवा याच्यावर त्याची दृष्टि आहे. चतुर्थेश कुठल्या एका अनुकूल भावात आहे. (तिन भाव- 6 व्या, 8 व्या आणि 12 व्या भावाशिवाय) आणि तुंगस्थ किंवा आपल्या राशीत आहे. ही एक खूप अनुकूल युति आहे, ज्याला जलधि योग म्हणतात. आपल्या कुंडलीत ही शुभ युति असल्याने आपण एक संपन्न व्यक्ति असाल, आपण एका मोठे घर, शेतजमिनीचे मालक असाल. आपल्याला प्रतिष्ठापूर्ण पद व चिरकालीन सुखाचे वरदान प्राप्त होईल. उच्च स्तरावरील व पदावरील लोक आपला आदर करतील. आपण परोपकारी व्यक्ति असाल, व आपण सामान्य जनतेच्या हितासाठी पाण्याचे स्रोत निर्माण कराल.

आपल्या कुंडलीत चतुर्थेश नीच किंवा शत्रु राशित स्थित आहे किंवा एका नैसर्गिक ग्रहा सोबत स्थित आहे, अथवा एका वाइट षष्ठीअंश मध्ये स्थित आहे. ही एक खूप प्रतिकूल युति आहे, ज्यास बंधुभीसत्यकता योग म्हणतात. जर

काहि बलाढ्य संशोधनकारी प्रभाव आपल्या कुंडलीत नसलेत तर या युतिमुळे, आपले नातेवाइक किंवा मित्र कधीहि आपला त्याग करू शकतात – आणि ते पण आपल्या छोट्याश्या चुकीमुळे किंवा चुक नसतांनाही.

आपल्या कुंडलीत, एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह जो नातर तुंगस्थ, नातर आपल्या राशित अथवा नक्षत्रात आहे – 2-या भाव मध्ये स्थित आहे. द्वितीयेश त्याच्या नवांश राशिचा स्वामी एक नैसर्गिक ग्रह आहे, जो नीच, किंवा अस्त किंवा ग्रासित किंवा लग्न अथवा नावांश कुंडलीत एका अशुभ ग्रहासोबत असल्यामुळे कमकुवत झाला आहे. एकत्रीतपणे हि एक खुपच प्रतिकूल युति आहे ज्यास दुर्मुख योग असे म्हणतात. जर काहि बलाढ्य संशोधनकारी प्रभाव आपल्या कुंडलीत नसले तर आपले व्यक्तिमत्व आकर्षक राहणार नाही, सोबतच आपला स्वभाव चिडचिड करणारा राहिल, शक्त: आपण आपले संतुलन गमवाल, आणि कतु तसेच असमाजकि भाषेचा प्रयोग कराल त्यामुळे तुमच्या जवळची माणसे तुम्हास नापसंद करणार.

आपल्या कुंडलीत, लग्नेश आणि चतुर्थेश निसर्गत: एकमेकांचे मित्र आहेत. यापेक्षाही एक निसर्गत: शुभ ग्रह या दोघांसोबत आहे किंवा त्याची दृष्टि यामध्ये आहे. खरे पाहता ही एक अनुकूल युति आहे, ज्याला मातृ स्नेह योग म्हणतात. आपल्या कुंडलीत या योगाच्या उपस्थितीमुळे आपली आई (किंवा दुसरी कोणी व्यक्ती जिचे आपणाशी सारखेच नाते आहे) आपल्यावर खुप प्रेम करेल आणि आपणही त्यांच्यावर तितकेच प्रेम कराल.

आपल्या कुंडलीत, द्वितीयेश चतुर्थेश सोबत आहे किंवा त्याची दृष्टि यामध्ये आहे. हे दोन्ही ग्रह अस्त आणि ग्रासित नाहित. ही एक अनुकूल युति आहे, ज्याला मातृ मूलत धन योग म्हणतात. या योगाच्या उपस्थितीमुळे आपणास आपल्या आईपासून आर्थिक लाभ होईल.

आपल्या कुंडलीत, द्वितीयेश नवमेश सोबत आहे किंवा त्याची दृष्टि यामध्ये आहे. हे दोन्ही ग्रह अस्त आणि ग्रासित नाहित. ही एक अनुकूल युति आहे, ज्याला पितृ मूलत धन योग म्हणतात. या योगाच्या उपस्थितीमुळे आपणास आपल्या वडिलांपासून आर्थिक लाभ होईल.

आपल्या कुंडलीत, 3 –या स्थानात एका नैसर्गिक शुभ ग्रहाची राशी आहे आणि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह 3 –या स्थानात आहे किंवा त्याची यावर दृस्वभटी याच्यावर आहे, ज्यावेळेस तृतीयेशेच्या नवमांश राशीचा स्वामी देखील एक नैसर्गिक शुभ ग्रह आहे. एकंदरीत ही एक शुभ युती आहे. जीला सत कथादि श्रवण योग या नावाने संबोधले जाते. आपल्या कुंडलीत होणा-या या योगाच्या गुणधर्मांमुळे आपण एक धर्मपरायण व्यक्ती व्हाल, आपल्याला प्राचीन शास्त्र, दर्शन शास्त्र आणि धार्मिक ग्रंथांच्या अध्ययनात रुची राहिल. आपल्याला साधुसंतांच्या दर्शनाची व त्यांचे धार्मिक प्रवचन ऐकण्याची अतिशय आवड असेल

आपल्या कुंडलीत, नैसर्गिक अशुभ ग्रहांची स्थिती आणि दृस्वभटी 2 –या, स्थानावर प्रभाव टाकते. जेव्हाकी ती कोणत्याही नैसर्गिक शुभ ग्रहाबरोबर नाही किंवा त्याची यावर दृस्वभटी नाही आणि दोन ग्रह 5 व्या / 7 व्या /

8 व्या स्थानात आहेत. याशिवाय व्दितीयेशवर एका नैसर्गिक अशुभ ग्रहाची दृस्वभटी आहे आणि याच्या नवमांश राशीचा ग्रह स्वामीही असाच ग्रह आहे. एकंदरीत ही एक अत्यंत अनिस्वभट युती आहे जीला विसर्प योग या नावाने संबोधले जाते. जर आपल्या कुंडलीत शुभ प्रभाव नसतील तर आपण कळत नकळत विस्वभारी पदार्थाचे सेवन कराल किंवा अन्य व्यक्तीच्या चुकी किंवा चुकीच्या औस्वभाधामुळे तुम्हाला अत्यंत कस्वभटाचा सापना करावा लागेल.

कुंडलीत होत असलेले अरिष्ट योग

आपल्या कुंडलीत, शनीचा योग ;किंवा दृष्टिद्ध चंद्रावर आहे, जेंव्हाकी मंगळ शुक्रासोबत ;किंवा दृष्टिद्ध आहे, आणि कोणताही इतर ग्रह या दोन ग्रहांपैकी कोणाशीच त्याचा संबंध ;किंवा दृष्टिद्ध नाही. परंतु ते परस्परांच्या नवमांशात आहे. ही एक प्रतिकूल अरिष्ट योग युती आहे. परिस्थितीमुळे आपल्याला जीवनात काही कष्ट होउ शकतात, आपल्या घरात शांती आणि आनंदाचा अभाव असू शकतो आणि आपल्याला आपले निवासस्थान उत्तम अवसर देत नाही. आपल्याला आपल्या व्यवसायात कठिण संघर्ष करावा लागू शकतो,आणि आपले पद, आपली परिश्रमीक योग्यतापेक्षा असामान्य रुपाने कमी असू शकते.आपल्याला आपल्या व्यवसायासंबंधी आपल्याला अनेक वेळा जागा बदलावी लागेल. आपल्या जीवनात सुख आणि आरामात काही कमतरता भासवेल. जर आपल्या कुंडलीत काही शुभ प्रभाव नसतील तर आपले लग्न होउ शकत नाही किंवा आपले वैवाहीक जीवन सुखी आणि शांतीपूर्ण होणार नाही.

कुंडलीत होत असलेले चंद्र योग

आपल्या कुंडलीत खूप शक्तीशाली चंद्र मंगळ योग आहे. आपला जन्म एका समृद्ध परिवारात झाला आहे, आणि आपल्या प्रयत्नामुळे आपले धन संपत्तीमध्ये वृद्धी कराल. आपण एक स्वतंत्र व्यवसाय कराल किंवा एक शक्तीशाली आणि आधिकारपूर्ण पद प्राप्त कराल.

आपल्या कुंडलीत शुभ चंद्राधि योग आहे. आपला जन्म एका समृद्ध परिवारात झाला आहे, आणि आपले पालन पोस्वभाण अत्यंत उत्तमरित्या होईल. आपल्याला आपल्या वरिस्वभट आणि आधिका-यांकडून समर्थन आणि लास्वभ प्राप्त होईल. आपण एक आदरणीय पद प्राप्त कराल आणि आपल्या स्वभाग्यात हळूहळू वृद्धी होईल.

आपल्या कुंडलीत खूप शक्तीशाली गजकेशरी योगाची युती आहे. आपला जन्म एका समृद्ध परिवारात झाला आहे, आणि आपले पालन पोस्वभाण अत्यंत उत्तमरित्या होईल. आपल्याला आपल्या वरिस्वभट आणि आधिका-यांकडून समर्थन आणि लास्वभ प्राप्त होईल. आपण एक स्थायी पद प्राप्त कराल आणि आपल्या स्वभाग्यात हळूहळू वृद्धी होईल.

कुंडलीत होत असलेले रवी योग

आपल्या कुंडलीत रवी पासून दुस-या स्थानात चंद्राशिवाय एक ग्रह आहे, हा एक ग्रह युती बनवितो जीला शुभवेशी योग या नावाने संबोधले जाते. याशिवाय जसेकी संबंधीत ग्रह प्राकृतीक रुपाने शुभ आहेत, या युतीस समग्र रुपाने शुभवेशी म्हणतात. आपल्या कुंडलीत होत असलेल्या या योगाच्या कारणामुळे आपले शरीर उंच आणि दृस्वभटी संपन्न असेल. याशिवाय आपण सत्यस्वभट आणि आशावादी असाल. तरीही आपल्या शक्ती काही प्रमाणात कमी होईल. आपण जास्त धनवान होउ शकणार नाही तरीही आपण आपल्या स्वभागावर खुश असाल आणि चिंतामुक्त रहाल.

कुंडलीत होत असलेले नभष योग

आपल्या कुंडलीत असलेल्या या नस्वभस योगाला केदार योग या नावाने संबोधले जाते. जरी ही एक खूप शुभ युती नसली तरी आपण काही बाबतीत स्वभाग्यशाली होउ शकता. आपण सत्यनिस्वभट व्हाल आणि नेहमी आपल्या कामापुरतेच मतलबी व्हाल, तरीही समजूतदारपणाच्या अस्वभावामुळे आपले विचार अस्थिर राहतील. जरी आपण मोकळ्या विचाराचे साधारण व्यक्ती होउ शकता तरी आपण काही बाबतीत हट्टी होउ शकता. आपल्या पेशाचा संबंध कृस्वभी, कृस्वभी उत्पन्न कार्यालय किंवा त्यासंबंधीत बाबीशी असू शकतो. आपले उत्पन्न चांगले राहिल आणि आपण नेहमी इतरांना मदत करण्यास तत्पर असाल.

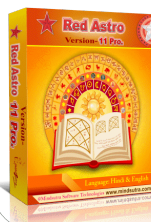
कुंडलीत होत असलेले धनयोग

आपल्या कुंडलीत एक अत्यंत शुभ युती बनली आहे. आपल्या स्वतःच्या अविरत प्रयत्नांनी आणि मनशक्ती व्दारा आपण आपल्या समकालीन व्हाक्तीपेक्षा खूप जास्त प्रमाणात प्रगती कराल. आपली महत्वाकांक्षा पूर्ण होईल आणि विलंबीत इच्छा आंकाक्षाचीही पूर्तता होईल. आपल्या सषेवतालचे लोक आपल्याला एक अनुकरणीय आणि प्रेरणादायी व्यक्ती मानतील. आपण आपला जीवनसाथी, संतान, नातेवाईक आणि मित्रांसोबत एक खुशहाल आणि समृध्दीपूर्ण जीवन व्यतीत कराल. जसेकी आपल्या कुंडलीत, 11 वे स्थान वायु तत्त्वाच्या राशीबरोबर आहे, आपण आपले जन्मस्थान किंवा निवासस्थानाच्या पश्चिम दिशेच्या जागेपासून उत्तम लाभ मिळवू शकता.

Desktop Application

Professional Astrology Software

Red Astro 11



Language:
English & Hindi

Price:
M.R.P: ₹ 35,000/-

Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

E-Kundali Prem. 10

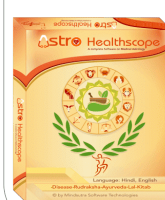


Language:
English, Hindi &
Telugu

Price:
M.R.P: ₹ 17,500/-

Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Astro Health Scope



Language:
English & Hindi

Price:
M.R.P: ₹ 12,500/-

Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Marriage Matching Prem.

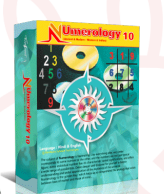


Language:
English, Hindi &
Telugu

Price:
M.R.P: ₹ 7,500/-

Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Numerology 10

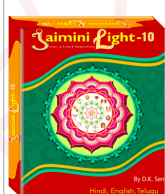


Language:
English & Hindi

Price:
M.R.P: ₹ 10,000/-

Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Jaimini Light 10

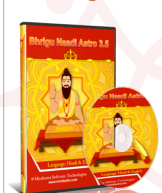


Language:
English, Hindi &
Telugu

Price:
M.R.P: ₹ 5,000/-

Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Bhrgu Naadi Astro



Language:
English & Hindi

Price:
M.R.P: ₹ 12,500/-

Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

Lal-Kitab Vastu

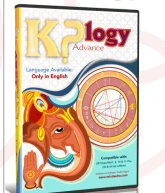


Language:
English & Hindi

Price:
M.R.P: ₹ 5,000/-

Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible

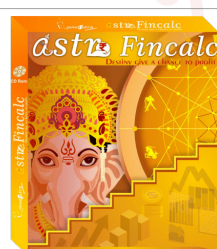
KP-Logy Advance



Language:
English

Price:
M.R.P: ₹ 6,000/-

Xp, Vista, Window
7, 8, Win 10 Pro.
& Win 11 Pro.
Above Compatible



Astr Fincalc
DESTINY GIVE A CHANCE TO PROFIT

Website: www.mindsutra.com, www.webjyotishi.com

E-Mail ID: mindsutra@gmail.com

PH: 9818193410, 011-49043166, 9350247058

[Click here to visit our website](http://www.mindsutra.com)

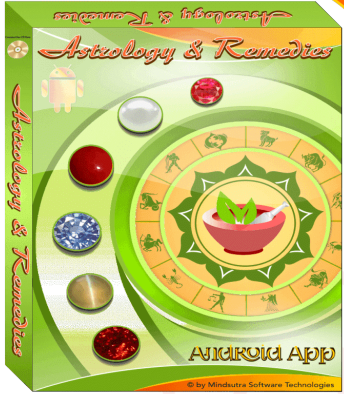
Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410

Android Application

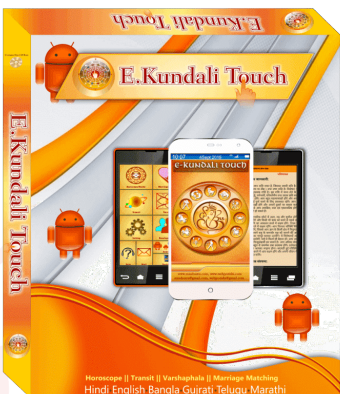
Professional Astrology Android Apps



Language:
English, Hindi

M.R.P: ₹ 2,500 (M.R.P:\$ 35/-for Foreign customer)

Requires Android 2.3 and above



Language:
English, Hindi, Bangla, Gujrati, Telugu & Marathi

M.R.P: ₹ 3,500 (M.R.P:\$ 50/-for Foreign customer)


Requires Android 2.3 and above



Language:
English, Hindi

M.R.P: ₹ 3,500 (M.R.P:\$ 50/-for Foreign customer)

Requires Android 2.3 and above



Language:
English, Hindi, Bangla, Gujrati, Telugu & Marathi

M.R.P: ₹ 2,500 (M.R.P:\$ 35/-for Foreign customer)

Requires Android 2.3 and above

Website: www.mindsutra.com, www.webjyotishi.com

E-Mail ID: mindsutra@gmail.com

PH: 9818193410, 011-49043166, 9350247058

[Click here to visit our website](http://www.mindsutra.com)

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410

Disclaimer



The calculations, future predictions, and remedies given in this Astrological Report are all based on the principles of either on Vedic Astrology, KP System, Jaimini or Lal Kitab, Numerology which are the result of consulting and engaging highly learned astrologers and astrology practitioners. This Report will prove to be highly useful for astrologers and practitioners of Astrology. We earnestly request the common users of this Report that they should not follow the Lal Kitab and or other prediction/remedies given in this Report without consulting a learned astrologer or an expert on this subject. Failing to do so might lead you to unexpected results which may or may not be favorable towards your well-being.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies makes no warranty about the accuracy of any data contained herein, and the native is advised to not to take as conclusive any prediction generated for him. If you follow the advice given in this report you do so at your own risk, ww.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies or any of its associates are not responsible for the consequence of any event or action.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies shall not stand liable for any damages or harm done.

All disputes are subject to New Delhi Jurisdiction only.

Wishing the very best – prosperity and happiness.

Prepared by mindsutra.com on 08 September 2023, 00:51:44PM
Please visit us at <https://www.webjyotishi.com> Email: mindsutra@gmail.com
Phone: +91 98181 93410

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

Ph: 9818193410